Banks; and

(b) whether it is also a fact that the banks are not advancing loans to small scale industries inspite of the RBI panel recommendations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b) No, Sir. Reserve Bank of India (RBI) have reported that the credit restraint measures introduced by them were only for a limited period from 9.5.91 to 30.9.91 and were applicable to the borrowers enjoying aggregate working capital limits of Rs. 1 crore and above. Nevertheless banks may, in some cases, have imposed some self restraints in extending credit due to their over-extended position. RBI has, however, advised the banks not to disrupt credit flow to the priority sector including small scale industries.

नोट छापने की प्रैस में हड़ताल

138. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय देश में नोट छापने की प्रैसें और सिक्का ढालने की टकसालें कितनी हैं और ये कहां-कहां स्थित हैं;

(ख) क्या गत एक वर्ष के दौरान उनमें से किसी प्रैस अथवा टकसाल में कोई हड़ताल हुई थी; और

(ग) यदि हां, तो कर्मकारों की मुख्य मांगें क्या थी और उस समय में सरकार ने क्या फैसला किया था?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह): (क) इस समय दो नोट प्रिंटिंग प्रैस हैं, जिनमें से एक देवास (मध्य प्रदेश) और दूसरी नासिक (महाराष्ट्र) में है। चार टकसालें हैं, जिनमें से कलकत्ता (पश्चिम बंगाल), बम्बई (महाराष्ट्र), हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश), नौएडा (उत्तर प्रदेश) प्रत्येक में एक-एक है।

(ख) केवल बैंक नोट प्रैस, देवास में पिछले वर्ष के दौरान दो बार हड़ताल हुई।

(ग) बैंक नोट प्रैस, देवास में वर्ष 1991-92 के दौरान पहली हड़ताल कंट्रोल स्टाफ द्वारा की गई थी। उनकी प्रमुख मांग, 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों के मुद्रण से संबंधित 33 विद्यमान पदों का उन्नयन होने तक प्रोत्साहन का ऊंची दर पर भुगतान किये जाने से संबंधित थी। सरकार ने यह मांग मान ली थी। दूसरी हड़ताल कार्यालय कर्मचारियों द्वारा की गई थी। जो 44 घंटे प्रति सप्ताह सामान्य कार्य घंटे शुरु करने के सरकार के निर्णय के विरुद्ध थी। यह मांग नहीं मानी गई थी और संशोधित कार्य घंटे लागू किये गये।

सिने तारिकाओं पर आयकर की बकाया राशि

139. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या वित्त मंत्री 18 अगस्त, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 4322 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कौन-कौन सी दस शीर्ष सिने तारिकायें हैं जो सर्वाधिक आयकर का भुगतान कर रही हैं; और

(ख) ऐसी दस सिने तारिकाओं के नाम क्या है जिन पर आयकर की सर्वाधिक राशि बकाया है और इस राशि की वसूली के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) चोटी के करदाताओं द्वारा अदा किये गये कर के बारे में व्यवसाय-वार अथवा व्यापार-वार सूचना को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा समेकित नहीं किया जाता है। देश के विभिन्न भागों में फैले हुये आयकर विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों से इस सूचना को एकत्र करने में काफी समय लगेगा तथा प्रयास करने होंगे जोकि प्राप्तव्य परिणामों के अनुरूप नहीं होंगे।

(ख) नाम संलग्न विवरण में दिये गये है (नीचे देखिये) इनकी तरफ भुगतान के लिये बकाया आयकर की वसूली के निमित्त निम्नलिखित उपाय किये गये है जो प्रत्येक मामले में की गई अपेक्षित कार्यवाही पर निर्भर करते है:—

(i) कुछेक मामलों में मांग की वसूली के निमित्त कर-निर्धारितियों की चल तथा अचल परिसम्पत्तियों की कुर्की कर ली गई है।

(ii) कुछेक मामलों में मांग को कानून के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करने के प्रयोजनार्थ कर वसूली अधिकारी को प्रमाणित कर दिया गया है।

(iii) एक मामले में एहतियाती (प्रोटेक्टिव) आधार पर किये गये कर निर्धारणों के परिणामस्वरूप मांग का सृजन